वर्ष–5
अंक–593
लखनऊ,
09 09 2020
मूल्य 3 रुपये
पृष्ठ–08

R.N I NO.
UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिंदी दैनिक

www.theachievertimes.com

डाक पंजीयन
संख्याःएस.एस.पी.
एल.डब्ल्यू./एनपी.
489/2015–2017

द अचीवर टाइम्स

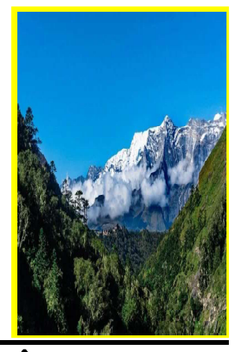

संक्षिप्त समाचार

नई नीति से रुकेगा शिक्षा का व्यवसायीकरण राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

लखनऊ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 से शिक्षा के व्यवसायीकरण को रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उच्च शिक्षा के रूपांतरण में राष्ट्रीय शिक्षा

नीति–2020 की भूमिका विषय पर आयोजित राज्यपालों के वर्चुअल सम्मेलन में आनंदीबेन पटेल ने यूपी और एमपी में शिक्षा नीति को लागू करने के लिए हो रहे प्रयासों की जानकारी दी। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए दोनों प्रदेशों में गंभीरता से मंथन किया जा रहा है। दोनों प्रदेशों में गठित टास्क फोर्स निकट भविष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस पर विचार–विमर्श के बाद इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र का विकास और भविष्य उसकी उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली एवं गुणवत्ता पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में बुनियादी शिक्षा से लेकर स्कूल–कॉलेजों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।दिव्यांगों की शिक्षा के लिए भी निर्णय लिए गए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बालिकाओं एवं दिव्यांगों की शिक्षा के लिए सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं। वहीं, सामाजिक समस्याओं के निराकरण एवं शिक्षा के व्यापारीकरण को रोकने के भी प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही देश की प्राचीनतम भाषा संस्कृत की महत्ता को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा , अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस. गर्ग तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी ऑनलाइन जुड़ी हुईं थीं।

यूपी में रविवार की बंदी भी खत्म, कंटेनमेंट जोन छोड़कर होटल रेस्टोरेंट संचालन को भी हरी झंडी

लखनऊ संवाददाता

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक रविवार को बाजारों की प्रदेश व्यापी साप्ताहिक बन्दी के स्थान पर अब बाजारों की साप्ताहिक बन्दी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप रहेगी। उन्होंने कहा कि कंटेनमेंट जोन को छोड़कर अन्य स्थानों पर सभी होटल व रेस्टोरेंट का संचालन कराया जाए। इस गतिविधि में संक्रमण से सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। लोकभवन में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी' के प्रति लोगों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए आर्थिक गतिविधियां संचालित कराई जाएं। चिकित्साकर्मियों को मेडिकल संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए सभी प्रबन्ध किए जाएं। एसजीपीजीआई, केजीएमयू तथा डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 1,000 आईसीयू बेड्स तैयार किए जाएं। उन्होंने कंटेनमेंट जोन में सभी लोगों का कोविड–19 टेस्ट सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने तहसील दिवस तथा थाना दिवस कोविड–19 की गाइड लाइन के अनुसार संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा तहसीलदार अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराएं। तहसील दिवस और थाना दिवस की सफलता के लिए आवश्यक है कि जन समस्याओं का समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा है कि सभी विभागाध्यक्ष और कार्यालयाध्यक्ष कार्मिकों की उपस्थिति का नियमित निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करें। ईज ऑफ डुइंग बिजनेस' रैंकिंग में उत्तर प्रदेश द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार 'ईज ऑफ लिविंग' की दिशा में भी कार्ययोजना बनाकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इससे लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आएगा।

मुख्यमंत्री ने जीएसटी संग्रह में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाकर उसे लागू किया जाए। जीएसटी के तहत अधिक से अधिक व्यापारियों का पंजीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों और उद्यमियों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जाए। इनकी समस्याओं का समयबद्ध ढंग से समाधान किया जाए। उद्यमों की सुगमतापूर्वक स्थापना से प्रदेश लाभान्वित होगा और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे उद्योग बन्धु की बैठक कर उद्यमियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री ने जीरो बजट खेती के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों के परिवार को 'मुख्यमंत्री निराश्रित बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना' के अन्तर्गत गौ आश्रय स्थल से गाय उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने दुग्ध समितियों को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे डेयरी सेक्टर का विस्तार होगा।

यूपीः आज से लगातार 56 घंटे काम करेंगे बिजली इंजीनियर

लखनऊ संवाददाता

लखनऊ राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन की प्रदेश भर के अवर अभियंता व प्रोन्नत अवर अभियंता निजीकरण के विरोध में 8 सितंबर सुबह से 56 घंटे तक लगातार काम करके सहयोग सत्याग्रह करेंगे। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष जीबी पटेल व केंद्रीय

महासचिव जयप्रकाश ने प्रेसवार्ता में बताया कि किसी समस्या के विरोध में पहली बार आंदोलन के रूप में सरकार का सहयोग किया जा रहा है। इससे ऊर्जा क्षेत्र की व्यवस्थाएं सुधरेंगी और निजीकरण व्यवस्था पर अंकुश लगेगा। इसके लिए संगठन की कई टीमें बनाई गई हैं जो सहयोग सत्याग्रह का औचक निरीक्षण भी करेंगी। साथ ही, अवर अभियंता और प्रोन्नत अवर अभियंता उपभोक्ताओं को अपनी मांगों के बारे में बताएंगे। इस मौके पर संगठन के केंद्रीय संरक्षक सत्यनाम सिंह ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के लिए कई प्रस्ताव दिए गए, जिन पर पूरी तरह से अमल नहीं किया गया।

हाईवे पर लूटपाट करने वाले गिरोह के दो बदमाश पकड़े

बाराबंकी। कई राज्यों में हाईवे पर ट्रकों से लूटपाट करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा है। मुरादाबाद के रहने वाले बदमाशों ने कई राज्यों में लूट की करीब चार दर्जन घटनाएं करने की जानकारी दी। आरोपियों के पास से पांच हजार रुपये, एक ट्रक व ट्रक के 13 पहिए बरामद हुए हैं। उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

लखनऊ जोन के एडीजी एसएन सावत ने सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में बताया कि विशेष पुलिस टीम ने कई राज्यों में हाईवे पर ट्रकों से लूटपाट करने वाले गिरोह के फिरोज और मुन्ना उर्फ मुशर्रफ निवासी गुरेर थाना मैनाठेर जनपद मुरादाबाद को पकड़ा है। आरोपियों के पास एक कंटेनर (ट्रक), ट्रकों से लूटे गये 13 पहिए, तीन बैटरी, पांच हजार रुपये, दो मोबाइल फोन, तमंचा व दो कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए बदमाशों व उनके अन्य साथियों ने गत दिनों अयोध्या व बाराबंकी में हाईवे पर ट्रक चालकों के साथ लूटपाट की थी।

गोरखपुर में सामान पहुंचाकर गुजरात लौटते समय ट्रक चालक सुखचन्दन व क्लीनर रवि तीन सितंबर को रौनाही के पास ढाबे पर खाना खाने के बाद केबिन में सो गए। इस दौरान दोनों को बंधक बनाकर बदमाश ट्रक समेत भाग निकले। चालक से सवा लाख रुपये लूटने के साथ ट्रक के पहिए व बैटरी निकाल ली।

रामसनेहीघाट क्षेत्र में हाईवे पर ट्रक में ही दोनों को छोड़कर बदमाश एक कंटेनर से भाग निकले।

उसी रात अयोध्या के कैंट क्षेत्र में भी एक ट्रक ड्राइवर से नकदी लूटने के साथ बदमाशों ने गाड़ी के आठ पहिए व दो बैटरी निकाल ली। एसपी डॉ. अरविंद चतुर्वेदी के मुताबिक पूछताछ में फिरोज ने बताया कि उसके गांव गुरेर कई लोग ट्रक चलाते हैं। माल पहुंचाकर लौटते समय गिरोह के सदस्य हाईवे पर खड़े ट्रकों में लूटपाट करते हैं। चालकों से नकदी के साथ ट्रक के पहिए खोल लेते थे। फिरोज का पिता दिलशाद भी हिस्ट्रीशीटर रहा है। उसके भाई अनवर व एक रिश्तेदार के पास कई कंटेनर हैं।

पूछताछ में पता चला कि इस गिरोह ने प्रदेश के साथ उत्तराखंड, राजस्थान, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र के हाईवे पर लूटपाट की करीब चार दर्जन घटनाएं की हैं। एडीजी ने बदमाशों को पकड़ने वाली टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक सच्चिदानन्द राय, अखिलेश सिंह, विवेक सिंह, विजय बहादुर पाण्डेय व अन्य पुलिस कर्मियों को 20 हजार का पुरस्कार दिया है।

एक करोड़ 53 लाख से बनी पानी टँकी हुई निष्प्रयोज्य

बालपुर (गोंडा)। विकास खंड परसपुर के ग्राम पंचायत सालपुर धौताल में दो साल पहले निर्मल नीर परियोजना के तहत एक करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से लोगों को शुद्ध पीने का पानी के लिए पानी की टंकी का निर्माण हुआ था। लेकिन दो साल में ही पानी सप्लाई के लिए डाली गयी पाइप जगह–जगह टूट गयी जिससे पानी सड़क पर बह रहा है। पानी की सप्लाई बंद होने से नाराज ग्रामीणों ने जमकर प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधान के आश्वाशन पर प्रदर्शनकारी शांत हो गये। सालपुर धौताल गांव में लोगों को शुद्ध पानी की समस्या को देखते हुए निर्मल नीर योजना के तहत डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से टंकी बनाई गयी थी। जिससे सीवन पुरवा, राम प्रगट पुरवा, नन्दकुमार पुरवा, बैसन पुरवा, पडेनिया, पचासा, अवस्थी पुरवा, बंसा पुरवा, भया पुरवा में पानी की सप्लाई दी जाती थी। लेकिन कई जगह सप्लाई देने वाली पाइप टूट गयी। जिससे पानी सड़क पर बहने लगा। जिसके कारण पाइप बदलवाने के लिए रविवार को ग्राम प्रधान ने सप्लाई बंद करवा दिया। जिससे ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अवस्थी पुरवा निवासी सुशील कुमार अवस्थी की अगुवाई में दो दर्जन से अधिक लोगों ने पानी की सप्लाई शुरू करने के लिए जमकर प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारी ननकुन्ने अवस्थी, सौरभ अवस्थी, सत्यशील, अनूप, शुभम, विशाल, राम चन्दर, अंकित, मोहित आदि लोगों ने बताया कि पानी टंकी बनाने में ठेकेदार व विभाग ने मानक को दरकिनार करके घटिया किस्म की पाइप डाली है। जिसके कारण दो साल में ही पाइप टूट गयी है। अगर दस दिन में पाइप सही करके सप्लाई बहाल नहीं हुई तो गांव वालों के साथ जिला अधिकारी कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि गांव के हैंडपंप का पानी खराब है। जिसके पीने से बीमारी से बीमारी फैलने की आशंका बनी रहती है। ग्राम प्रधान बेनीमाधव सिंह ने बताया कि पाइप टूटने के कारण सप्लाई बंद कराई गई है।

कोरोना महामारी काल में नगर पालिका परिषद मिर्जापुर के अध्यक्ष मनोज जायसवाल की उपस्थिति!

संवाददाता। नगर पालिका अध्यक्ष कोरोना महामारी काल के दौर में आमजन के सुविधा और स्वास्थ्य के प्रति सजग प्रहरी के रूप में मिर्जापुर नगर में कार्य कर रहे हैं! आज विंध्याचल के नागरिकों के निवेदन पर मनोज जायसवाल ने तत्काल सैनिटाइजिंग ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कोतवाली रोड भैरव मंदिर दीवान घाट सदर बाजार कराया! एक तरफ जहां जनप्रतिनिधि की भूमिका निभा रहे हैं मनोज जयसवाल दुख सुख में भी जनता के बीच उपस्थित रहकर एक सजग जनप्रतिनिधि की भूमिका निभा रहे हैं! जबसे कोरोना महामारी का दौर चल रहा है शुरुआती दौर से लेकर आज तक संपूर्ण नगर विंध्याचल में साफ–सफाई दवा का छिड़काव अपने देखरेख में करा रहे हैं! यही नहीं आम नागरिकों के बीच मिर्जापुर नगर विंध्याचल में मध्यम वर्गीय और गरीब किस्म के जरूरतमंदों के बीच रसद सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया है! किस तरीके से महामारी का दौर चला है मनोज जायसवाल सक्रिय भूमिका निभाते हुए नर सेवा नारायण सेवा की भूमिका में लोगों के बीच स्थित है! आज कोतवाली रोड विंध्याचल के विभिन्न क्षेत्रों में नगर पालिका कर्मियों द्वारा सैनिटाइजिंग दवा का छिड़काव ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया है! निरंतर आम जनमानस के लिए कार्य करने वाले पालिका अध्यक्ष मनोज जयसवाल की प्रशंसा आम जनमानस के बीच चर्चा का विषय है, युवा कलमकार भास्कर भट्ट, राजेश यादव, गिल्लू यादव, शैलेश जयसवाल, डॉ पी के गुप्ता, पत्रकार महेंद्र पांडे, सहित तमाम नागरिकों ने नगरपालिका अध्यक्ष की सराहना की है!!

अलीगंज पुलिस टीम के साथ 4 युवको को किया गिरफ्तार।

संवाददाता शुभम गुप्ता

लखनऊ थाना अलीगंज क्षेत्र में बीपी अवध पेट्रोल पंप पर मारपीट करने वाले कर्मचारियों को अलीगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार। आकाश रस्तोगी नामक युवक से सिक्के दने पर भड़का था पेट्रोल पंप कर्मचारी। सिक्के देने के चलते पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने आकाश रस्तोगी से की थी मारपीट। मारपीट का वीडियो हुआ था cctv में कैद। मारपीट की सूचना पर तत्काल पहुंचे इंस्पेक्टर अलीगंज फरीद अहमद ने पुलिस टीम के साथ 4 युवको को किया गिरफ्तार। डीसीपी शालिनी वा एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में पेट्रोल पंप कर्मचारियों को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर की गयी आवश्यक कार्यवाही।

तालाब में मिला युवक का कंकाल

बाराबंकी। बदोसराय क्षेत्र में एक नर कंकाल सोमवार को तालाब में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कपड़ों में मिले एक आधार कार्ड से कंकाल एक युवक का बताया जा रहा है। यह घटना बदोसराय के पीठापुर गांव की है। गांव के पश्चिम स्थित तालाब को महेश ने पट्टे पर लिया है। सोमवार को वह तालाब की सफाई कराने पहुंचा तो एक नर कंकाल बरामद हुआ है। इस जानकारी पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इस बीच सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक ने मौके की छानबीन के बाद नर कंकाल को पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा। बताया कि नर कंकाल पर मिले कपड़ों से आधार कार्ड, आयुष्मान योजना का कार्ड तथा तीन सौ रूपये मिले हैं। आधार कार्ड में 35 वर्षीय उत्तम कुमार निवासी ग्राम डूडी थाना सफदरगंज दर्ज था।

गांजा और सट्टा कारोबारी, लखनऊ ट्रांसगोमती मे चल रहा करोड़ों का काला कारोबार

लखनऊ संवाददाता।

लखनऊ–राजधानी के ट्रांसगोमती मे पहाड़ी गांजा चिप्पड का कारोबार इस तरह फैला है की आप किसी भी क्षेत्र में 100या 120रुपये में एक पुड़िया आसानी से प्राप्त कर सकते हैं ।इस तस्करी में कितने जेल जाते हैं और छूट कर आने पर फिर अपना करोबार शुरू कर देते हैं ।कारण या तो इनको संरक्षण देने वाले खुद कानून के मुहाफिज हैं या सफेद पोश वर्ना इतनी सख्ती के बाद भी ये पहाड़ी गांजा राजधानी लखनऊ तक पहुंचाता कैसे है।

सूत्र की मानें तो गांजे का कारोबार करने वाले गरीबों को चंद पैसे का लालच देकर 10या 20रुपये कमीशन पर गांजा बिकवाते हैं और पकड़े जाने पर गरीब तो जेल जाता है परंतु बड़े कारोबारी अपने शिकार मे किसी दूसरे गरीब को लालच देकर अपना उल्लू

सीधा करने लगते हैं ।ट्रांसगोमती के मडियाव, जानकीपुरम, गुडम्बा, हसनगंज, विकास नगर,चिनहट,इन्दिरानगर आदि इलाके में पुलिस कमिश्नरी लागू होने के बाद भी गांजा और सट्टा कारोबारियो पर सख्त कानून व्यवस्था का कोई खास प्रभाव नही पड़ा ।इसी प्रकार सट्टा के कारोबार में गरीबों की गाढ़ी खून पसीने की कमाई सट्टा माफिया डकार रहे हैं ।इन्हें कमिश्नरी पुलिस का जरा भी खघैफ नही सुबह होते ही पर्चियो पर नम्बर बांटना शुरू हो जाता है सिंगल गिनती पर 10 रुपये के 90 रुपये और डबल गिनती पर 10रुपये पर 800 रुपये का लालच देकर सट्टा कारोबारी गरीबों की गाढ़ी कमाई तो चूस ही रहे हैं साथ ही युवाओं मे जुआ की लत डाल उनके उज्वल भविष्य को बर्बाद भी कर रहे हैं ।सट्टा माफियाओ का सिस्टम से ऐसा याराना है कि वाट्स ऐप न्यूज समूह मे कई बार वीडियो वायरल होने के बाद भी किसी पर कोई कार्रवाई नही हुई ।सूत्र की माने तो मडियाव के नौबस्ता क्षेत्र मे पिछली दीपावली को छंग्गा नामक युवक की हत्या भी इसी सट्टा के कारोबार के कारण हूई थी

जिसे पुलिस द्वारा पुरानी रंजिश का नाम देकर कई लोगो की गिरफ्तारी भी की गई थी ।सूत्रो की मानें तो दोनों कारोबार में चढावा ऊपर तक जाता है इसी कारण इनपर कोई नकेल नही कसी जाती ।आवश्यकता पड़ने पर मात्र प्यादे जेल जाते हैं कारोबारी अपना ठिकाना बदल लेते है ।कुछ भी हो ये कहना गलत नही होगा ,लखनऊ पुलिस कमिश्नरी पर भारी, गांजा और सट्टा कारोबारी

यूपी की बड़ी खबर उन्नाव के बहुचर्चित रेप मामले में सीबीआई द्वारा तीन महिला अधिकारियों सहित 4 अफसरों पर कार्रवाई की सिफारिश

लखनऊ उन्नाव नई दिल्ली। यूपी की राजधानी लखनऊ से पड़ोसी जिले उन्नाव के बहुचर्चित कुलदीप सिंह सेंगर–रेप मामले में में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्नाव की तत्कालीन जिलाधिकारी एवं दो पुलिस अधीक्षकों (तीन महिला अधिकारियों) को लापरवाही का दोषी माना है। सीबीआई ने इस बहुचर्चित मामले में तत्कालीन डीएम और 2 एसपी को माना दोषी मानते हुए यूपी सरकार से इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की (एक्शन) की सिफारिश की है। उन्नाव के भाजपा के चर्चित विधायक रहे कुलदीप सिंह सेंगर रेप केस में अहम मोड़ आया है, पूरे मामले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में जिले के तत्कालीन बड़े अफसरों को दोषी माना है। सीबीआई ने आईएएस अदिति सिंह, आईपीएस नेहा पांडेय और आईपीएस पुष्पांजलि सिंह पर भी लापरवाही का आरोप जांच में सही पाया है। सीबीआई ने इन अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने की सिफारिश की है।बतातें चलें कि 2009 बैच की आईएएस अफसर अदिति सिंह 24 जनवरी 2017 से 26 अक्टूबर 2017 तक उन्नाव में जिलाधिकारी के पद पर तैनात थीं और इन पर आरोप है कि इन्होने पीड़िता की शिकायत तो नहीं ही सुनी, साथ ही जब कुलदीप सिंह सेंगर की शह पर पीडिता के पिता को पीटा गया और बाद में उनकी मौत हो गयी तो उन्होने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आईबी में तैनात हैं। इस मामले में सीबीआई जांच काफी दिनों से चल रही थी। इन लोगों के दोषी पाए जाने के बाद अब सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई का फैसला लेगी।

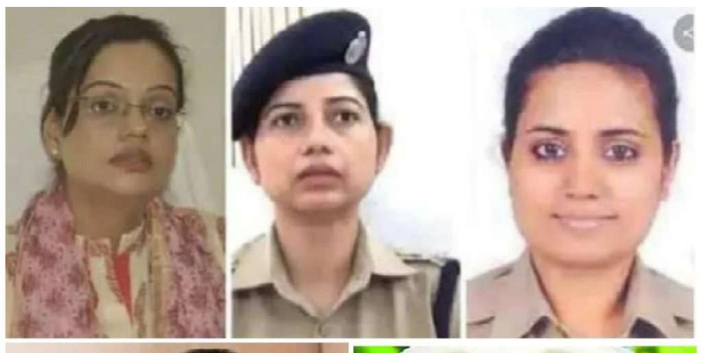

इसी दौरान रेप पीड़िता ने कई बार शिकायत की, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, अदिति सिंह इस वक्त हापुड़ की डीएम हैं। वहीं 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी पुष्पांजलि सिंह भी उन्नाव की एसपी थीं, मामले को दबाने की कोशिश की, वे जांच में वर्तमान में एसपी रेलवे गोरखपुर हैं। इसी तरह से 2009 बैच की आईपीएस नेहा पांडेय भी उन्नाव में एसपी रहीं, इन पर भी लापरवाही का आरोप है। ये आजकल डीएम, दो एसपी के अलावा एएसपी भी दोषी सीबीआई ने यूपी सरकार को भेजी अपनी रिपोर्ट में इन तीन महिला अधिकारियों के अलावा उन्नाव के तत्तकालीन अपर पुलिस अधीक्षक रहे अष्टभुजा माना है।

समाज सेवियों के घरों का घेराव इस तरह जैसे किसी अपराधियों के घर के बाहर मौजूद हो प्रशासन

संवाददाता। लखनऊ,मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी सुमय्या राना और उजमा परवीन (झांसी की रानी) के घर के बाहर सोमवार की रात से पुलिस बल का घेराव, जो कि अभी भी मौजूद है, उजमा परवीन ने जब उन पुलिस कर्मियों से जानना चाहा तो वो कुछ भी बताने से पीछे रहें और बताया कि हम डयूटी कर रहें हैं, ऐसे में इस तरह से प्रशासन द्वारा अचानक भारी संख्या में समाज सेवी सुमय्या राना व उजमा परवीन के घरों को चिन्हित कर घरों के बाहर पुलिस बल का मौजूद होना आखिर क्यों, समाज सेवियों के घरों का घेराव इस तरह से जैसे किसी अपराधियों के घर के बाहर मौजूद हो प्रशासन

दिल्ली के चिकित्सकों की देख–रेख में ले रही स्वास्थ्य लाभ

लखनऊ जनपद से प्रकाशित अति प्रतिष्ठित समाचार पत्र हिंदी दैनिक प्रभात व्यूज की संपादक एवं राज्य मुख्यालय से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार श्री राजेश माहेश्वरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता माहेश्वरी जी काफी दिनों से घुटने के दर्द की वजह से परेशान थी, जिस पर उन्होंने बीते दिनों देश की राजधानी नई दिल्ली के काबिल चिकित्सकों से संपर्क किया, जिस पर चिकित्सक ने उन्हें घुटने के ऑपरेशन की सलाह

दी स जिस पर वह चिकित्सक के परामर्श में दिल्ली के ही हॉस्पिटल में एडमिट हो गयी, जहाँ बीते शनिवार को चिकित्सकों की काबिल टीम ने उनके दोनों घुटनो का सफल ऑपरेशन किया स श्रीमती माहेश्वरी अब चिकित्सकों की देख रेख में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रही है स मोबाइल पर हुई बातचीत के दौरान श्रीमती माहेश्वरी ने बताया की अब वह काफी अच्छा महसूस कर रही है और घुटने में जो दर्द उन्हें हमेशा परेशान करता था अब वह एकदम नार्मल है क्यूंकि ऑपरेशन हुआ है इसलिए डॉक्टर ने कुछ जरूरी एतिहात बरतने के लिए कहा है स उन्होंने बताया की अब वह ठीक है और जल्द ही डिस्चार्ज होने के बाद घर जाएंगी स उधर श्रीमती माहेश्वरी के सफल ऑपरेशन की सूचना जैसे ही प्रभात व्यूज परिवार समेत शुभचिंतको को लगी तो उन्हें शुभकामनाये प्रदान करने का जो दौर शुरू हुआ वह आज तक अनवरत जारी रहा स बधाई देने वालों में प्रभात व्यूज के प्रबंध संपादक शकील सिद्दीकी, उप संपादक विकास त्रिवेदी राहुल, स्वतंत्र पत्रकार आशीष वशिष्ठ, प्रभात व्यूज के कार्यालय प्रभारी रामचंद्र सैनी, वरिष्ठ पत्रकार नितेश श्रीवास्तव, संदीप केशरवानी, उमेश चंद्रा, सूर्या त्रिवेदी, बबलू, जीतेन्द्र मौर्या, पवन पाण्डेय, अविनाश पाण्डेय, शिव कुमार, शादाब मंसूरी, विपिन गुप्ता, सोनू सैनी, रामशंकर विश्वकर्मा, पत्रकार समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल रहे

चोरी की दो बाइक समेत दो आरोपी गिरफ्तार

बाराबंकी। सफदरगंज पुलिस ने सोमवार को दो अपराधियों को गिरफ्तार कर चोरी की दो बाइक व दो तमंचे बरामद किए हैं। ग्राम सराय कायस्थान से पकड़े गए आरोपियों की पहचान संजय कुमार वर्मा निवासी बिबियापुर थाना कोठी व जहीर निवासी मोहल्ला रसूलपुर थाना कोतवाली नगर के रूप में हुई। दोनों के कब्जे से चोरी की दो बाइक व दो तमंचे बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बाइक चोरी कर उन्हें बेचने की बात स्वीकार की।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

द अचीवर टाइम्स
हिंदी दैनिक
दिल्ली-एनसीआर
09 09 2020
3

ढाई लाख के इनामी बदमाश आशु जाट ने हापुड़ लाते वक्त किया भागने का प्रयास, रहा नाकाम

हापुड़ संगीनों के साए में रातभर पूछताछ, पुलिस को मिले कई अहम राज – कस्टडी रिमांड के लिए आज पुलिस कोर्ट में करेगी पेश– मुंबई से छह सदस्यीय टीम रविवार को हापुड़ के लिए हुई थी रवाना ढाई लाख के इनामी बदमाश आशु जाट ने सोमवार देर रात हापुड़ लाते समय निजामपुर के पास भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार रात करीब 12 बजे जब पुलिस टीम आशु जाट को लेकर हापुड़ लौट रही थी उस दौरान नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत निजामपुर हाईवे पर आशु ने लघु शंका के बहाने गाड़ी रुकवाई। गाड़ी से उतरने के बाद आशु ने कांस्टेबल अंकुर धामा की पिस्टल छीनने का प्रयास किया। धक्का–मुक्की के बाद आशु भाग निकला। हालांकि पुलिस ने आरोपी को एक बार फिर दबोच लिया।पुलिस घटना के दौरान किसी प्रकार की फायरिंग से इंकार कर रही है। इस मामले में देर रात कोतवाली में पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है। आज आशु को कस्टडी रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया जाएगा।सोमवार देर शाम

मुंबई से हापुड़ लाई पुलिसढाई लाख का इनामी कुख्यात बदमाश आशु जाट देर रात सड़क मार्ग से हापुड़ लाया गया। हापुड़ में किसी अज्ञात स्थान पर ले जाकर एसपी सहित आला अधिकारियों ने उससे घंटों पूछताछ की। हालांकि रात होने के कारण उसे कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। अब मंगलवार को पुलिस उसे कस्टडी रिमांड में लेने के लिए कोर्ट में पेश करेगी। हापुड़ पुलिस के इनपुट पर मुंबई पुलिस ने शनिवार को उसे मुंबई के विले पार्ले इलाके से उस समय गिरफ्तार किया था, जब वह भेष बदलकर फल बेच रहा था। आशु की गिरफ्तारी के बाद हापुड़ व मुंबई पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से उसे स्थानीय न्यायालय में पेश किया था। इसके बाद हापुड़ की छह सदस्यीय पुलिस टीम उसे कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार देर शाम हापुड़ लेकर पहुंची।हालांकि रात का समय होने के कारण आशु को न्यायालय में पेश नहीं किया जा सका। जिसके कारण उसकी पेशी के लिए मंगलवार सुबह तक का इंतजार करना पड़ेगा। आशु को पुलिस ने किसी अज्ञात स्थान पर रखा है। मिर्ची गैंग के खतरनाक इरादों को देखते हुए भी उसे रखने के स्थान को गुप्त रखा गया।इस संबंध में एसपी संजीव सुमन ने बताया कि आशु रातभर पुलिस अभिरक्षा में रहेगा। इसके लिए कड़े प्रबंध किए गए हैं। सुबह आशु को न्यायालय में न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस न्यायालय की अनुमति के बाद आशु को कस्टडी रिमांड पर लेगी। भाजपा नेताओं की हत्या व अन्य वारदातों के संबंध में आशु से पूछताछ की जाएगी।पेशी के दौरान रहेगी कड़ी सुरक्षा मंगलवार को ढाई लाख के ईनामी की पेशी के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध रहेंगे। मिर्ची गैंग जिस प्रकार से वारदातों को अंजाम देता है उसे देखते हुए पुलिस पूरी तरह से सतर्क रहेगी। ऐसे में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

जीडीपी का छह फीसदी शिक्षा पर खर्च का कानून बने मनीष सिसोदिया

दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्र से जीडीपी का छह फीसदी शिक्षा पर खर्च करने का कानून बनाने की मांग रखी है। सिसोदिया सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित डिजिटल सम्मेलन को उन्होंने कहा कि हर घंटे करता है। परीक्षा परक होना चाहिए। नई राष्ट्रीय इसे लागू करने की है। इस नीति को लागू चिंतन करके ठोस चाहिए, ताकि यह महज सीमित न रह जाए। 20 साल शिक्षा लेने के छात्रों को रोजगार योग्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बात कही गई है। अभी डिग्रीधारी युवाओं को समझा जाता है। हमें साल की पढ़ाई के बाद भी रोजगार प्राप्त नहीं कर

रह गई। वोकेशनल और किसी अन्य विषय में स्नातक डिग्री में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। सिसोदिया ने कहा कि आजादी के 73 साल बाद भी हम लॉर्ड मैकाले का नाम लेकर अपनी सरकारों की कमियां छिपाते हैं। वर्ष 1968 और 1986 में नई शिक्षा नीति बनाई गई। उन नीतियों का कार्यान्वयन नहीं करने की नाकामियों को छिपाने के लिए मैकाले का बहाना बनाया जाता है। आजादी के इतने साल बाद तक हमें अपनी शिक्षा नीति लागू करने से मैकाले ने नहीं रोका है। पिछली दो शिक्षा नीतियों का क्या किया गया, इस पर आत्ममंथन होना चाहिए। वहीं, उन्होंने नई शिक्षा नीति में छोटे बच्चों की शिक्षा को शामिल करने का स्वागत करते हुए कहा कि हमें शिक्षा के माध्यम से विकसित देशों का मुकाबला करना है।

संबोधित कर रहे थे। एक छात्र आत्महत्या शिक्षा का दबाव खत्म शिक्षा नीति में अभी कार्ययोजना का अभाव करने पर अच्छी तरह कार्ययोजना बनानी एक अच्छे विचार तक सिसोदिया ने कहा कि बाद भी 80 फीसदी नहीं समझा जाता है। वोकेशनल शिक्षा की लगभग 80 फीसदी रोजगार के योग्य नहीं सोचना होगा कि 20 हमारे बच्चे यदि सके, तो कहां कमी

मेट्रो ने पहले दिन लगाए 450 से अधिक फेरे, रात आठ बजे तक करीब 16 हजार यात्रियों ने किया सफर

नई दिल्ली अपने 17 साल के इतिहास में थमी दिल्ली मेट्रो ने दुबारा चलने पर पहले दिन करीब 450 फेरे लगाए। येलो लाइन पर पर सुबह सात से 11 बजे और शाम के चार से आठ बजे के बीच 16000 से ज्यादा मुसाफिरों से सफर भी किया। शुरुआती चार घंटे में यात्रियों की संख्या कम होने के पीछे तकनीकी खराबी, कम एंट्री एक्जिट गेट खुलने और संक्रमण के बढ़ते ग्राफ के कारण यात्रियों की संख्या कम होने की बात कही जा रही है। मगर, दिल्ली मेट्रो को उम्मीद है कि चरणों में मेट्रो सेवाएं शुरू की जा रही है और 12

सितंबर तक एक बार फिर यात्रियों के कदम मेट्रो की तरफ बढ़ेंगे। सभी स्टेशनों पर रुकी मेट्रो येलो लाइन के सभी 37 स्टेशनों पर मेट्रो रुकी। इस दौरान 57 मेट्रो ट्रेनों ने 450 से अधिक फेरे लगाए। हालांकि स्टेशनों पर अधिक वक्त के लिए मेट्रो के रुकने की वजह से यात्रियों को थोड़ी देरी हुई। रिहायशी इलाके से दूरी होने की वजह से परिचालन के लिहाज से कंटेनमेंट जोन के दायरे में स्टेशन नहीं आया। हालांकि एहतियात के तौर कम एंट्री एक्जिट गेट खोले जाने को भी इससे जोड़कर देखा जा रहा है। स्टेशनों के आसपास मास्क की शुरू हुई बिक्री संक्रमण काल में यात्रियों ने मास्क लगाए हुए थे, लेकिन मेट्रो सेवाएं शुरू होने पर स्टेशनों के आसपास मास्क बेचने वालों की संख्या भी बढने लगी है। अगर किसी यात्री का मास्क गिर गया या फट गया हो तो तत्काल मास्क खरीदने के लिए बाहर दुकानें लगाई जाने लगी हैं। एक विक्रेता ने बताया कि कई बार मास्क पुराना होने पर वक्त की कमी के कारण यात्री नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे में मास्क बेचने पहुंच रहे हैं, इससे यात्रियों को भी संक्रमण से बचाव का मौका मिलेगा। मेट्रो यात्रियों की राय, नहीं है मेट्रो से बढ़िया कोई सार्वजनिक परिवहन भौतिकी में दिल्ली विश्वविद्यालय से शोधार्थी वंदना ने बताया कि पढ़ाई के सिलसिले में उन्हें रोजाना 500 रुपये से अधिक खर्च करना पड़ रहा था। अब 120 रुपये में कम समय में घर पहुंच सकेंगी। खानपुर निवासी राजवीर सिंह ने कहा कि दिल्ली की लाइफलाइन रुकनी नहीं चाहिए। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी। कमला नगर निवासी सुचिता ने बताया कि मेट्रो में संक्रमण काल में भी अच्छी सुविधाएं मुहैया की जा रही है। एहतियातों का सभी को पालन करना चाहिए। संगम विहार निवासी विजय ने बताया कि मेट्रो सेवाएं बंद होने की वजह से बसों में सफर करने में कई तरह की परेशानियां थी, और संक्रमण का खतरा भी अधिक है।

सवारी बनकर बैठे बदमाशों ने की कैब चालक की हत्या, बेटे के आरोपों की जांच कर रही पुलिस

एजेंसी गुरुग्राम से बुलंदशहर सवारी छोड़ने गए कैब चालक आफताब आलम की ग्रेटर नोएडा के बादलपुर इलाके में रविवार रात बदमाशों ने नृशंस हत्या कर दी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में जीटी रोड स्थित मोहन स्वरूप अस्पताल के पास पुलिस को आफताब बुरी तरह घायल हालत में मिले थे। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या और लूटपाट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि सवारी बनकर कार में जबरन बैठे बदमाशों ने लूटपाट के बाद उनसे मारपीट की। गंभीर चोट लगने की वजह से उनकी मौत हो गई। दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी आफताब (42) रविवार दोपहर करीब 3 बजे गुरुग्राम की युवती को बुलंदशहर लेकर गए थे। सवारी को छोड़ने के बाद रात को वह वापस दिल्ली की तरफ निकले, लेकिन वह घर नहीं पहुंचे। रात करीब 12 बजे पुलिस को गश्त के दौरान आफताब की कार जीटी रोड पर मोहन स्वरूप अस्पताल के पास मिली । कार में आफताब घायल मिले उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने हत्या और करीब 3500 रुपये और मोबाइल फोन लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक कैब में सवार लोगों से किराये को लेकर शायद आफताब का विवाद हुआ। आरोपियों ने किसी भारी व नुकीली वस्तु से गले व चेहरे पर हमला कर उनकी हत्या की। लुहारली टोल पर

भी हुआ आरोपियों का विवाद पुलिस की प्राथमिक पड़ताल में पता चला है कि आरोपी बादलपुर के आसपास के ही निवासी हैं। लुहारली टोल से कैब निकलने के दौरान आरोपियों का टोल कर्मियों से भी विवाद हुआ था। आरोपी खुद को स्थानीय बता रहे थे। टोल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपियों की तस्वीर दिख रही है। पुलिस इसी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। मुंह और गले पर चोट के निशान बादलपुर कोतवाली के एसएसआई दीपक कुमार के मुताबिक कैब चालक के सिर, मुंह और गले में चोट के निशान मिले हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।अस्पताल के पास कौन छोड़कर गया आफताब की कैब अस्पताल से लगभग डेढ़ सौ मीटर दूर मिली है। कैब में चालक के बराबर वाली सीट पर आफताब थे और सीट बेल्ट भी लगी हुई थी। इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि आफताब की हत्या कहीं और की गई और कैब कोई और चलाकर अस्पताल ले जाने के इरादे से वहां लाया था। पुलिस सभी पहलुओं से वारदात का पता लगाने में जुट गई है।बेटे ने कहा, मोबाइल में जय श्री राम बुलवाने की आवाज युवती को छोड़कर लौट रहे चालक आफताब हुसैन को कैब में बैठे आरोपियों पर संदेह हो गया था। फास्टैग में पैसा नहीं होने पर बेटे मोहम्मद साबिर को फोन कर रिचार्ज करने को कहने के बाद उन्होंने बिना कॉल काटे मोबाइल जेब में रख दिया था। 41 मिनट से अधिक की ऑडियो रिकॉर्डिंग में आरोपियों की आवाज कैद है। परिजनों का आरोप है कि रिकॉर्डिंग में बातचीत के अलावा 'जय श्रीराम' बोलने के लिए कहने की आवाज भी सुनाई दे रही है। परिजनों के मुताबिक युवती पहले कई बार आफताब की कैब से गुरुग्राम से बुलंदशहर जा चुकी है। आफताब बुलंदशहर के ईंटारोड़ी इलाके में युवती को वापस छोड़कर घर लौट रहे थे। परिजनों का आरोप है इस दौरान कुछ लोग जबरन गाड़ी में बैठक गए। शराब की पेशकश के साथ मजहब पर बातचीत आफताब के रिश्तेदार तबरेज और बेटे साबिर का कहना है कि कैब में सवार हुए आरोपियों ने उनके मजहब पर बातचीत शुरू कर दी थी। आफताब को शराब की भी पेशकश करने की आवाज भी सुनाई दी। हालांकि यह सब बातें उन्होंने एफआईआर में नहीं लिखवाई। उनका कहना है कि पुलिस ने उनसे कहा कि वह आगे इसे बयान में शामिल कर लेंगे।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

देहाती हाट–बाजारों का टूटता ढांचा

सुधीर विद्यार्थी

गांव के हाट–बाजारों की शक्ल अब बदल गई हैं। तीन–चार कोस पर किसी गांव में लगने वाले बाजार में आसपास के आठ–दस गांव के लोग जुटते थे। वे प्रायः मझोले किसान होते और अपनी फसल का थोड़ा–सा हिस्सा बेचने के लिए बैलगाड़ियों में लादकर लाते। छोटी जोत की किसानी करने वाले अपने सिरों पर अनाज रखकर, उसकी बिक्री कर और अपनी जरूरत का सौदा–सुलुफ बांधकर घर लौट जाते। कई बार यह खरीदारी इतनी कम होती कि उन चीजों की खपत दो–तीन दिनों में ही हो जाती और फिर अगले बाजार का बेचौनी से इंतजार होता।वहां बिकने वाली वस्तुओं में दाल, मसाले, गुड़, सरसों, मिट्टी का तेल, कुप्पी, साबुन, कंघी और बिसातखाने के दूसरे छोटे–बड़े सामान, कपड़ा, आलू–सब्जी की दुकानें तथा नाई से हजामत बनवाने का भी काम होता। पान और चाट के नुक्कड़ भी सज जाते। मांस–मछली की बिक्री होती, तो भीड़ से थोड़ा हटकर बैलों और घोड़ों के नाल लगाने तथा उनकी पूंछों के बाल कतरने वाले अपने कारोबार में जुटे होते। कोई एक दवाखाना भी उसी घेरे में आ जमा होता। पहले इन बाजारों में मिट्टी के बर्तन भी बिकते देखने को मिल जाते थे, पर अब छोटे घरों में भी उनकी पहुंच नहीं रही। प्लास्टिक ने कुम्हारों की कला को विस्थापित कर दिया है। बाजार में खरीदारों की आवाजों का मिला–जुला शोर बाजार के चरित्र का एक खास और स्थायी हिस्सा होता, जिसे चीन्हना इन दिनों कठिन हो गया है। गांव में तीसरे दिन या सप्ताह भर में जुड़ने वाले इन बाजारों में अब गंवई स्त्री–पुरुष नहीं आते। मोटे अनाज की पैदावार घटने पर बिक्री के लिए बाजार तक उनका पहुंचना मुहाल होने लगा है। जरूरत की चीजों की खरीदारी के लिए लोग अब मोटर वाहनों से निकटवर्ती कस्बों में जाने लगे हैं। जो पक्की सड़कें गांव के निकट से गुजर कर शहर की तरफ जाती हैं, उनके किनारे बड़ी संख्या में दुकानें उग आई हैं, जिनसे देहात के बाजारों की रौनक कम होने के साथ वहां लोगों की उपस्थिति घटी है। ठंडे पेय और पैकटबंद चीजें बेचने वालों ने अब बाजार की नई संस्कृति विकसित की है। यहां हाट–बाजारों की भांति देहात के लोग मोल–भाव कर चीजें नहीं खरीद सकते। गांव में सब्जी पैदा करने वाले किसान भी अब अपना उत्पाद लेकर मंडी जाते हैं या फिर बिचौलिया उन्हें सीधे खेत से ही उठा लेता है। मुक्त अर्थव्यवस्था ने गांव के ढांचे को ही तोड़ा–बदला नहीं, परंपरागत हाट–बाजार के परिदृश्य को भी उलट दिया है। खेतों में पैदा मूली, गाजर, आलू, लौकी, तुरई–सब कुछ अब शहर के मॉल में चमकीली पन्नियों में बिकने लगी है। देहाती बाजार अब उजड़ गए हैं। दुकानदारों और ग्राहकों के बीच जमा–जमाया रिश्ता भी दरका है। नए बाजार की संस्कृति अब गांव के छोटे हाट–बाजारों को पनपने भी नहीं देना चाहती। वह अपने व्यावसायिक शातिरपने से उन्हें वीरान करने पर आमादा है। गांव में छोटी जोत वाला बड़े लोगों से अपनी घर–गिरस्ती चलाने के लिए जो उधार–कर्ज लेता था, उसे निपटाने के लिए उसके पास साप्ताहिक बाजार में अनाज बेचकर देने का रास्ता होता था, जिसे नए बाजार ने बंद कर दिया है। एक समय बाजार स्वयं चलकर गांव आता था। तब अनाज के बदले चीजों की खरीदारी का चलन था। रसोई का सामान, मसाले, बरफ, चाट, धान का चूरा जैसी वस्तुओं की अदला–बदली का व्यापार बड़ा दिलचस्प था। बासागुड़ा (छत्तीसगढ़) के साप्ताहिक बाजार में आदिवासी नमक के बदले चिरौंजी बेचा करते थे। अब उस तरह की दुकानदारी नापैद हो चुकी है। सारी खरीदारी नकद पैसे से होने लगी है। देहात के बाजारों में किसानों की फसल के खरीदार भी छोटे व्यापारी या बनिये हुआ करते थे, जो थोड़ी पूंजी से सप्ताह भर में कुछ कामचलाऊ कमाई करते, पर उनमें किसानों के शोषण की मंडियों जैसी बड़ी घटतौली वाली गुंजाइश नहीं होती थी। नोटबंदी के दौर में गांव के बाजार की यह धुरी जैसे एकदम टूट गई। दुखद है कि उनकी वह रौनक अब तक वापस नहीं लौटी। गरीब जनता के जीवन–यापन में छोटे हाट–बाजार का इस तरह नष्ट होते चले जाना बहुत त्रासद है।

कोरोना संकट और डूबती अर्थव्यवस्था गिरती GDP और बिगड़ते आर्थिक हालात पर भी सोचिए

दयाशंकर शुक्ल

जिन दिनों मनमोहन सिंह वित्त मंत्री के रूप में देश को उदारीकरण की तरफ ले जा रहे थे उन दिनों मैं लखनऊ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में एमए कर रहा था। तब प्रो. एके सेन गुप्ता और प्रो.अरविंद मोहन जैसे बेहतरीन अर्थशास्त्री गुरु हुआ करते थे। जहां एमए की पढ़ाई होती थी अर्थशास्त्र की पढ़ाई संजीदगी से करने के बावजूद ये विषय मुझे बहुत रूखा–सूखा और नीरस लगा। एमए कर डिग्री मिलते ही पत्रकारिता में चला आया तो अर्थशास्त्र से नाता लगभग खत्म सा हो गया। जिस विश्वविद्यालय में कभी पढ़ने जाता था उसी विश्वविद्यालय में रिपोर्टिंग शुरू कर दी। जिन गुरुजी लोगों को कभी साष्टांग प्रणाम करता था उन्हीं लोगों की कलई खोलने लगा क्योंकि यूजीसी से आने वाले करोड़ों के फंड में वे बहुत हेराफेरी करते थे। कुछ ही दिनों में विश्वविद्यालय में मेरा सिक्का जम गया। हर हफ्ते कैंपस पर एक कॉलम लिखता था, जो खूब पढ़ा जाता था। यूनिवर्सिटी के छात्र से लेकर कुलपति तक शनिवार को उस कॉलम का इंतजार करते थे। कॉलम की खासियत ये थे कि उसमें आप बिना किसी का नाम लिए धुलाई कर सकते थे, क्योंकि मजे की बात ये कि सारा विश्वविद्यालय जानता था कि ये किसके लिए लिखा गया है। खैर, ये पुरानी बातें इसलिए याद आ रही हैं कि मैं देख रहा हूं कि हमारा देश एक भयानक आर्थिक संकट की ओर जा रहा है। कुछ ही सालों पहले तक हमारी अर्थव्यवस्था 8 फीसदी की विकास दर से बढ़ रही थी, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक थी, लेकिन अब हालात बद से बदतर हो रहे हैं। इस तिमाही की रिपोर्ट बताती है कि हमारे देश की जीडीपी गिरकर 23.9 फीसदी रह गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था में इसे 1996 के बाद ऐतिहासिक गिरावट माना जा रहा है और इसकी वजह है कोरोना वायरस की वजह से हुआ दुनिया का सबसे बड़ा लॉकडाउन। जब पहली बार लॉकडाउन लगा उसी दिन मैंने लिखा कि ये समस्या का समाधान नहीं है। लॉकडाउन का कोरोना से कोई लेना–देना नहीं है। ये बस मुसीबत को कुछ दिनों के लिए स्थगित करने जैसा है। खैर, सच तो ये है कि इस लॉकडाउन से पहले ही देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई थी। कार से लेकर कालीन उद्योग तक बार्बाद और बंद होने लगे थे। रही–सही कसर कोरोना ने पूरी कर दी। जीडीपी 40 साल में पहली बार इतनी नीचे गिरी। अब तो आपको साफ दिख रहा होगा कि बेरोजगारी अब तक के चरम पर है। विकास के बड़े इंजन, खपत, निजी निवेश या निर्यात ठप्प पड़े हैं। सबसे खतरनाक बात ये कि सरकार के पास इस मंदी से बाहर निकलने और खर्च करने की न क्षमता है न समझ है और न इच्छाशक्ति। देश में भ्रष्टाचार और अफसरों का नाकारापन चरम पर है। एक छोटा सा उदाहरण दूंगा आपकी समझ में आसानी से आ जाएगा। मोदीजी ने आत्मनिर्भर भारत का जुमला उछाला। प्राइवेट कंपनी में मेरे एक मित्र की कोरोना के कारण नौकरी चली गई तो वे मजबूरन या जबरन श्आत्मनिर्भरश हो गए। एक समय भारत का सबसे मजबूत रहा निर्माण उद्योग 39 फीसदी तक सिकुड़ गया है... देश की अर्थव्यवस्था को अगर किसी ने संभाला है तो वह हमारे किसान हैं– सांकेतिक तस्वीर – फोटो रू ˋवबपंस डमकपं (सांकेतिक) आपदा में अवसर तलाशते हुए उन्होंने अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर लंदन में नाइट्रिल गल्वस यानी रबर के दस्तानों का एक बड़ा ऑर्डर लिया। भारत सरकार ने कोविड–19 से जुड़े सामानों के निर्यात पर रोक लगा दी है। खैर, भारत में तो ये ग्ल्वस बनते ही नहीं तो मित्र ने मलेशिया के एक उत्पादक से ये ग्लव्स खरीद का लंदन सप्लाई करने का फैसला किया। अब मलेशिया से ग्लव्स खरीद कर बाहर ही बाहर लंदन भेजने हैं। ये काम भी भारत में नहीं हो सकता, क्योंकि रिर्जव बैंक को इसके लिए विदेशी व्यापार मंत्रालय से छब्व चाहिए, जो वह देने को तैयार नहीं। इसके पीछे कोई तर्क नहीं है। आजकल करते हुए दो हफ्ते बीत गए और देर होता देख लंदन के उस आयातक ने ये सामान चीन से मंगा लिया। अब मित्र आत्मनिर्भर भारत का सरकार पर निशाना क्यों?

पहली नजर में यह तर्क जायज लगता है। पर ऐसा है नहीं। देश की अर्थव्यवस्था को अगर किसी ने संभाला है तो वह हमारे किसान हैं। इस तिमाही में सिर्फ कृषि क्षेत्र से ही अच्छी खबर आई है। इस साल मानसून की अच्छी बारिश के कारण कृषि सेक्टर में 3 फीसदी से 3.4 फीसदी के दर से होटल वालों से पूछिए। व्यापार, होटल और ट्रांसपोर्ट जैसे क्षेत्र में 47 फीसदी की गिरावट आई है। एक समय भारत का सबसे मजबूत रहा निर्माण उद्योग 39 फीसदी तक सिकुड़ गया है। शहरों में फैल्टस के दाम 20 फीसदी तक गिर गए हैं। कोई खरीददार नहीं है। पिछले साल अगस्त में कार बिक्री में 32 फीसदी मल्टीनेशनल कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ था, लेकिन उन्हें ज्वाइनिंग लैटर का इंतजार है, क्योंकि बाजार इतना नीचे गिरा है कि न बिक्री हो रही है न सप्लाई। लेकिन आपको ये नहीं दिख रहा क्योंकि ये सब आपके पड़ोस में हो रहा है। अब आप कह रहे हैं पूरी दुनिया का यही हाल है। बिलकुल यही हाल है, लेकिन इतना

झुनझुना बजा रहे हैं। आप कह सकते हैं सब कुछ तो ठीक चल रहा है। आलू– प्याज 30 रुपए किलो है। आटा, चावल अरहर की दाल कुछ महंगा नहीं हुआ फिर ये कम्बख्त अर्थशास्त्री गिरती जीडीपी का मातम क्यों मना रहे हैं। फिर सारी दुनिया कोरोना की चपेट में है। सबकी अर्थव्यवस्था नीचे जा रही है फिर केवल मोदीजी की बढ़ोत्तरी हुई, इसीलिए सब्जी और किराना बाजार पर मंदी का असर नहीं दिख रहा है और कोरोना काल में सिर्फ इन्हीं चीजों की मांग और सप्लाई है। लेकिन बाकी हर तरफ तंगहाली है। छोटे व्यवसाइयों से जाकर पूछिए क्या हाल है उनका। शोरूम में मध्यमवर्गीय बिजनैसमैन से जाकर पूछिए कितने टीवी फ्रिज आदि बिक रहे हैं? की गिरावट दर्ज की गई जो दो दशकों में सबसे अधिक थी। ये कोरे आंकड़े नहीं हैं, जमीनी हकीकत है। बेशक आपको कार और होटल से कोई लेना–देना नहीं है, लेकिन आपके पड़ोसी के बच्चे कल तक वहां नौकरी करते थे। आज वे बेकार हैं, क्योंकि उनके मालिक ने उन्हें घर बैठा दिया है। पिछले साल कितने ही प्रतिभाशाली बच्चों का बुरा नहीं जितना भारत का है. अमेरिका की अर्थव्यवस्था में जहां इसी तिमाही में 9.5 फीसदी की गिरावट है, वहीं जापान की अर्थव्यवस्था में 7.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। के बाद 2 फीसदी की वृद्धि हुई, लेकिन हम 23 फीसदी नीचे चले गए। और सबसे दुखद फिलहाल ऊपर आने के कोई संभावनाएं नहीं दिख रही हैं।

पुराने कश्मीर की ओर लौटने की कैसे हो रही राजनीति, बता रहे हैं बलबीर पुंज

बलबीर पुंज,

विगत 22 अगस्त को श्रीनगर में छह राजनीतिक दलों– नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, कांग्रेस, पीपुल्स कांफ्रेंस, माकपा और ए.एन.के. एक मंच पर आए। सभी दलों ने जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन को असांविधानिक बताते हुए पांच अगस्त, 2019 से पूर्व की स्थिति बहाल करने की मांग की और इसे श्गुपकार घोषणाश की संज्ञा दी। इन मांगों को लेकर श्रीनगर में पिछले वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के श्गुपकार मार्गश स्थित आवास पर बैठक हुई थी, इसलिए इस घोषणापत्र का नाम श्गुपकारश रखा दिया गया। इनके संयुक्त बयान के अनुसार, श्हम गुपकार घोषणा से पूरी तरह बंधे हैं। हम अनुच्छेद 370 और 35–ए, जम्मू–कश्मीर के संविधान की फिर से बहाली के लिए प्रतिबद्ध हैं और राज्य का विभाजन अस्वीकार्य है।श संक्षेप में कहें, तो ये सभी दल कश्मीर को पूर्व–स्थिति में लौटाना और घाटी की विशिष्ट पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं।

आखिर प्रदेश की विशिष्ट श्पहचानश क्या है? क्या इसकी जड़ें सदियों पुराने कालखंड में मिलती हैं, जब कश्मीर वैदिक संस्कृति और बौद्ध–शैव मत का प्रमुख केंद्र था? क्या यह 1947 में जम्मू–कश्मीर के भारत में विलय के समय से संबंधित है, जब लाखों हिंदू–सिख प्रदेश की मौलिक बहुलतावादी संस्कृति के साथ कश्मीर के सार्वजनिक जीवन के एक जीवंत अंग थे? क्या इसका संबंध 1980–90 के दशक से है, जब जिहादी–आतंकवादी दर्जनों हिंदुओं को मौत के घाट उतार रहे थे और उनकी महिलाओं का बलात्कार कर रहे थे– परिणामस्वरूप, पांच लाख पंडित घाटी से पलायन करने के लिए विवश हो गए? या क्या यह पिछले डेढ़–दो दशकों का प्रतिबिंब है, जिसमें कश्मीर स्थित मस्जिदों से भारत और हिंदुओं की मौत की दुआ मांगी गई, मजहबी नारे लगे, आतंकियों की ढाल बनकर स्थानीय लोगों द्वारा सुरक्षा बलों पर पत्थर बरसाए, सिनेमाघरों पर ताले लग गए और घाटी में श्निजाम–ए–मुस्तफाश (शरीयत कानून) का वर्चस्व हो गया? सच तो यह है कि लोकतंत्र–सेक्यूलरवाद के नाम पर ये सभी छह दल यहां उसी इस्लामी परचम को फिर से लहराता देखना चाहते हैं, जिसकी नींव 1931 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की जिहादी भट्टी में तपकर कश्मीर लौटे शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने रखी थी। उस समय के जम्मू–कश्मीर की समरसता का उल्लेख तत्कालीन महाराजा हरिसिंह के पुत्र, वरिष्ठ आत्मकथा में किया है।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

हाईकोर्ट में कई पदों पर हो रही हैं नियुक्तियां, 200 से ज्यादा पद हैं खाली

उच्च न्यायालय, MPHC द्वारा सरकारी नौकरियों के लिए एक अधिसूचना जारी की गई है। जिसके तहत सिविल जज के कई रिक्त पदों पर ये भर्तियां की जाएंगी। उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने से पहले अधिसूचना में दिए गए सभी निर्देशों और शर्तों को सावधानीपूर्वक पढ़ें। इसके साथ ही आप अब घर बैठे करें सरकारी नौकरी की पक्की तैयारी सिर्फ "सिजं.बवउ पर। महत्वपूर्ण तिथियां शैक्षिक योग्यता उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता किसी मान्यताप्राप्त लॉ विश्वविद्यालय से बैचलर्स डिग्री प्राप्त होना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए आगे दी गई

नोटिफिकेशन देखें। पदों का विवरण पद का नाम पदों की संख्या सिविल कुल 252 पद आयु सीमा इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 35 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार संबंधित आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और नोटिफिकेशन डाउनलोड करें। दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुसार आवेदन प्रक्रिया को अंतिम तिथि 22 सितंबर से 05 नवंबर, 2020 तक पूरा करें। ध्यान रहें किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर आवेदन पत्र निरस्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

PNB: पंजाब नेशनल बैंक में 500 से ज्यादा पदों पर हो रही हैं भर्तियां, जानें कब तक होंगे आवेदन

पंजाब नेशनल बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर के पदों पर जो युवा नौकरी करना चाहते हैं, उनको पीएनबी बेहतरीन मौका दे रहा है। बता दें कि च्छठ ने कुल 535 रिक्त पदों के लिए भर्तियां निकाली हैं। रजिस्ट्रेनश करने से पहले इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट या इस खबर में आगे दी गई अधिसूचना को जरूर पढ़ें। ऑनलाइन पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 19 सितंबर, 2020 है। इसके साथ ही आप अब घर बैठे करें सरकारी नौकरी की पक्की तैयारी सिर्फ "सिजं. बवउ पर। पदों का विवरण– पद का नाम–आवेदन के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 25 वर्ष और अधिकतम आयु 35 व 37 वर्ष पदों के अनुसार अलग–अलग निर्धारित की गई है महत्वपूर्ण तिथियां रजिस्ट्रेशन करने की प्रारंभिक तिथि रू 08 सितंबर, 2020 रजिस्ट्रेशन

करने की अंतिम तिथि रू 29 सितंबर, 2020 आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि रू 16 अगस्त, 2020 शैक्षिक योग्यता–उम्मीदवार शैक्षिक योग्यता से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आगे दी गई नोटिफिकेशन देखें। आवेदन प्रक्रिया उम्मीदवार आवेदन करने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https://www-pnbindia-in/ पर जाएं और नोटिफिकेशन डाउनलोड कर उसे पढ़ें। समस्त जानकारी से अवगत होकर, दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुसार पंजीकरण प्रक्रिया को अंतिम तिथि 29 सितंबर, 2020 से पहले पूरा करें। ध्यान रहे किसी प्रकार कि त्रुटि होने पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए अधिसूचना देखें। प्रक्रिया उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन टेस्ट और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

सुनहरा मौका! भारतीय स्टेट बैंक करेगा इस साल 14 हजार नियुक्तियौं

tate Bank of India Vacancy 2020 भारतीय स्टेट बैंक में इस साल बंपर नियुक्तियां होनी वाली हैं। एसबीआई का कहना है कि इस साल उसकी 14,000 नियुक्तियां करने की योजना है। बैंक हमेशा से कर्मचारियों के प्रति दोस्ताना नजरिया रखता आया है। वह अपने कारोबार का विस्तार कर रहा है जिसके लिए लोगों की आवश्यकता होगी। यह इस बात से साबित होता है कि बैंक की इस साल 14,000 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति करने की याजना है। एसबीआई ने अपने एक वक्तव्य में यह बात कही है। एसबीआई में इस वक्त हैं ढ़ाई लाख कर्मचारी भारतीय स्टेट बैंक का कहना है कि बैंक के वर्तमान में ढाई लाख के करीब कर्मचारी हैं। बैंक अपने कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने और उनके जीवनकाल में मदद के लिये हमेशा आगे रहा

है। एसबीआई में निकलने वाली इन रिक्तियों से बैंकिंग सेक्टर में नौकरी खोज रहे युवाओं को फायदा मिलेगा और उनके लिए यह एक सुनहरा अवसर साबित होगा। हालांकि, अभी बैंक ने इन नौकरियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। भारतीय स्टेट बैंक ने अपने वक्तव्य में कहा कि बैंक अपने कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना तैयार की है जिसके दायरे में करीब 30,190 कर्मचारी आ सकते हैं। बैंक की प्रस्तावित वीआरएस लागत घटाने के लिए नहीं है।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने स्टेनोग्राफर के 1000 से ज्यादा पदों पर मांगे हैं आवेदन

RSMSSB Recruitment 2020 रू राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर ने कई पदों पर आवेदन मांगे हैं। जो योग्य व इच्छुक उम्मीदवार इन पदों पर नौकरी पाने के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट या इस खबर में आगे दी गई लिंक के माध्यम से नोटिफिकेशन को जरूर पढ़ लें। आपको बता दें कि ये भर्तियां शीघ्रलिपिक (आशुलिपिक) के विभिन्न पदों को भरने के लिए हो रही हैं। सभी जानकारी से अवगत होकर आवेदन प्रक्रिया को 24 सितंबर, 2020 तक पूरा कर लें। साथ ही आप अब घर बैठे करें सरकारी नौकरी की पक्की तैयारी

सिर्फ Safalta-com पर। पदों की विवरण पद का नाम पदों की संख्या शीघ्रलिपिक (आशुलिपिक) 1000 से ज्यादा पद इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार आवेदन करने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है।महत्वपूर्ण तिथियां शैक्षिक योग्यता उम्मीदवार शैक्षिक योग्यता से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आगे दी गई नोटिफिकेशन देखें।आवेदन प्रक्रिया के लिए सबसे पहले आधिकारिक osclkbV http://www-rsmssb-rajasthan-gov-in/ पर जाएं और नोटिफिकेशन डाउनलोड कर उसे पढ़ें। समस्त जानकारी से अवगत होकर, दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुसार आवेदन प्रक्रिया को 24 सितंबर, 2020 अंतिम तिथि तक पूरा करें। ध्यान रहे किसी प्रकार कि त्रुटि होने पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए अधिसूचना देखें उम्मीदवारों लिखित परीक्षा और स्किल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा।

क्या होती है वाई श्रेणी की सुरक्षा, जिसे कंगना रनौत को सरकार ने मुहैया कराया

नई दिल्ली अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से इस मुद्दे पर बॉलीवुड जगत से अगर कोई सबसे ज्यादा सक्रिय होकर अपनी बात रख रहा है, तो वो अभिनेत्री कंगना रनौत। कंगना लगातार बॉलीवुड माफिया, नेपोटिज्म और अब ड्रग्स के मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रख रही हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री के बयानों के चलते उन पर राजनीतिक पार्टियों से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटिज तक ने निशाना साधा। वहीं, अब सरकार ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। दरअसल, कंगना रनौत और शिवसेना नेता संजय राउत के बीच जुबानी जंग तेज हो गई थी। संजय राउत ने कंगना को मुंबई न आने की नसीहत दी थी। इस पर कंगना ने मुंबई आने का चौंलेंज दिया था। वहीं, मुंबई पुलिस को लेकर दिए बयान के बाद से कंगना को लेकर शिवसेना हमलावर हो गई। कंगना ने कहा था कि उन्हें मुंबई पुलिस पर भरोसा नहीं है। साथ ही उन्होंने मुंबई पुलिस की सुरक्षा लेने से इनकार किया था। इन हालात को देखते हुए कंगना के पिता ने हिमाचल प्रदेश सरकार से पुलिस सुरक्षा की मांग की थी। वहीं, अब गृह मंत्रालय की ओर से कंगना को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है।आइए जानते हैं, क्या होती है वाई श्रेणी सुरक्षा भारत में सुरक्षा की श्रेणी खतरे के स्तर के साथ–साथ रसूख भी मानी जाती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय, इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) की सिफारिश पर हर साल विशिष्ट लोगों की सुरक्षा की समीक्षा करता है। खतरे के स्तर को देखते हुए विशिष्ट और अति विशिष्ट लोगों को विभिन्न स्तर की सुरक्षा दी जाती है। देश में वीआईपी सुरक्षा को ध्यान में रखकर उन्हें अलग–अलग श्रेणी की सुरक्षा दी जाती है। सरकार के पास यह निर्णय लेने का अधिकार होता है कि वह बड़े नेताओं और अधिकारियों को किस प्रकार की सुरक्षा देगी। भारत में सुरक्षा व्यवस्था को अलग–अलग श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। इसमें एसपीजी सुरक्षा, जेड प्लस, जेड, वाई और एक्स श्रेणी शामिल है। खतरे के आधार वीआईपी सुरक्षा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद, नौकरशाह, पूर्व नौकरशाह, जज, पूर्व जज, बिजनेसमैन, क्रिकेटरें, को मुहैया कराई जाती है।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

झारखंड भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ उनकी डिग्री को लेकर दाखिल की गई याचिका

(यूएनएस)। झारखंड में गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ जमशेदपुर के एक व्यक्ति ने झारखंड उच्च न्यायालय में उनकी डिग्री की जांच को लेकर

जनहित याचिका दायर की है।जमशेदपुर के दानिश नाम के व्यक्ति ने निशिकांत दुबे की डिग्री पर सवाल उठाते हुए उनकी एमबीए की डिग्री की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया है कि सीबीआई को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ता ने भारत के निर्वाचन आयोग से निशिकांत दुबे की लोकसभा सदस्यता तत्काल निरस्त करने की भी मांग की है। याचिकाकर्ता के अनुसार निशिकांत दुबे ने वर्ष 2009, वर्ष 2014 और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग को जो हलफनामा दिया है उसमें बताया है कि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए की डिग्री भी ली है। याचिका में दावा किया गया है कि पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक आरटीआई के जवाब में कहा गया है कि निशिकांत दुबे नाम के किसी भी व्यक्ति ने दिल्ली विश्वविद्यालय से मैनेजमेंट की डिग्री नहीं ली है।

बिहार में बरामद हुआ अपहृत युवक का शव, बोलेरो सवार बदमाशों ने गोरखपुर से किया था अपहरण

(यूएनएस)। गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रामगढ़ताल इलाके से एक माह पूर्व बोलेरो सवार बदमाशों द्वारा अपहृत 35 वर्षीय सर्वेश सिंह उर्फ राज सिंह की सिरकटी लाश बिहार प्रांत के गया जिले के बेलागंज थाने की पुलिस ने बरामद किया है। बेलागंज एसएचओ अभिनाश कुमार सोमवार को रामगढ़ताल पहुंचे। शव की फोटो और कपड़े के आधार पर परिजनों ने पहचान की है। आलम यह है कि मां द्वारा तहरीर दिए जाने के बावजूद रामगढ़ताल पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किए जाने की बात तो दूर गुमशुदगी तक नहीं दर्ज की है। थाने पहुंचने पर युवक की मां को अपमानित भी किया गया था जिसके बाद उसने पांच सितंबर को एसएसपी और सीओ कार्यालय पहुंचकर कार्यवाही की गुहार लगाई थी। बेलागंज एसएचओ ने बताया कि थानाक्षेत्र में एनएच 3 के पूर्व रिसौध नहर के पास धान के खेत में एक अज्ञात युवक का शव 10 अगस्त, 2020 को बरामद किया गया था। शव बोरे में कसा था। फेंककर बदमाश फरार हो गए हैं। बता दें कि बेलघाट इलाके के

गर्दन अलग और धड़ अलग थी। एक आरसी पेपर के सहारे वह सोमवार को गोरखपुर गाड़ी वालों की गिरफ्तारी के लिए पहुंचे थे। जहां इस बात का पता चला कि गाड़ी का नंबर फर्जी था। जिस घर का नाम मिला उसी परिवार के युवक का अपहरण कर ले जाकर कहीं हत्या कर शव को उनके थाना क्षेत्र में पिपरसंड़ी गांव की मूल निवासिनी किशोरी देवी ने रामगढ़ताल पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि वह अपने फौजी पति और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रामगढ़ताल इलाके के फुलवरिया में रहती है। छह अगस्त की अपराह्न दो से तीन बजे के बीच उसका बेटा सर्वेश सिंह उर्फ राज सिंह घर में मौजूद था। इस दौरान मैरून रंग की बोलेरो में सवार तीन चार लोग पहुंचे। दरवाजा खुलवाया और बेटे को बाहर बुलवाया। बेटे के बाहर आते ही उन्होंने 9335578353 बताकर पूछा कि क्या यह उसका नंबर है। बेटे के हां कहते ही उक्त लोग उसे पीटने लगे और तमंचा सटाकर उसे जबरन बोलेरो में बैठाकर लेकर कहीं चले गए। किशोरी देवी थाने गई जहां उसके साथ पुलिसकर्मियों ने बदसलूकी की। इसके पूर्व महिला ने स्थानीय चौकी प्रभारी को भी तहरीर दी थी। महिला ने यह भी बताया कि उसके बेटे के खिलाफ सुल्तानपुर जिले के कादीपुर कोतवाली में पूर्व में एक हत्या का केस दर्ज था। इसमें उसे जमानत मिली थी और वह लॉकडाउन के पूर्व से ही घर पर ही रह रहा था। भारी सत्य सान्याल शर्मा ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। बिहार पुलिस आई थी।

झारखंड में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा गई, फिर पैर पसार रहा नक्सलवाद नड्डा

(यूएनएस)। झारखंड रांची भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में एक बार फिर नक्सलवाद और उग्रवाद पैर पसारने लगा है और कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है।

झारखंड प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी को वीडियो कॉन्फ्रेंस से संबोधित करते हुए नड्डा ने राज्य सरकार को कमजोर और तुष्टिकरण की निशानी बताया और आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है और उसके राज में विकास के सारे काम अवरुद्ध हैं। उन्होंने कहा, शविकास तक रूक जाता है जब कानून और व्यवस्था चरमरा जाती है। आज सोरेन सरकार में झारखंड में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। भाजपा के राज में नक्सलवाद प्रायरू समाप्त हो गया था। आज वहां नक्सलवाद और उग्रवाद फिर से दनदना रहा है। दिन दहाड़े हत्याएं हो रही हैं। ये कमजोर सरकार और तुष्टिकरण की निशानी है। यह भी पढ़ें– बिहार के रण में भाजपा का अभियान तेज, नड्डा ने सांसदों को दिया टास्क, गांवों का दौरा कर लोगों से मिलें उन्होंने कहा, श्राज्य की वर्तमान सरकार भ्रष्टाचारयुक्त और विकासमुक्त है। विकास हो नहीं रहा है और वह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।श भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि विपक्षी दलों की गोलबंदी के चलते पार्टी भले ही चुनाव हार गई हो लेकिन जनता के दिलों से वह उतरी नहीं है। उन्होंने कहा, श्जनता में हमारा स्थान है। हमें सबसे ज्यादा वोट मिले। अब गोलबंदी करके... मिलकर के हमें हराने का प्रयास करें तो ये गणित का नंबर है। लेकिन भाजपा लोगों के दिलों में बसी है। उन्होंने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की सराहना की और कहा कि झारखंड की जनता महसूस करती होगी कि भाजपा की सरकार न होने के कारण जन कल्याण की नीतियों में जो इजाफा हुआ था आज उसका उन्हें कितना नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, श्रघुवर दास जी की सरकार ने प्रदेश में बहुत अच्छे काम किए थे। जनता की सेवा की। सम्मान योजना चलाई थी

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारने की तैयारी में लोजपा

(यूएनएस)। नई दिल्ली बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ राजग गठबंधन में सीट बटवारे पर उठापटक शुरू हो गई है। जदयू से तनातनी के

बीच लोजपा ने राज्य में भाजपा के हिस्से की सौ सीटों को छोड़ कर अन्य सीटों पर अपनी पार्टी का उम्मीदवार उतारने का संदेश दिया है। वहीं हाल ही में राजग में शामिल हुई जीतनराम मांझी की पार्टी हम लोजपा उम्मीदवारों के खिलाफ उम्मीदवार उतारने की तैयारी शुरू कर दी है सोमवार को चिराग पासवान के आवास पर हुई लोजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में भाजपा के हिस्से की सीटों के इतर अन्य सीटों पर उम्मीदवार उतारने पर मंथन हुआ। सूत्रों के मुताबिक चिराग ने पार्टी से शेष 143 सीटों पर उम्मीदवारों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। बैठक में गठबंधन करने का संपूर्ण अधिकार चिराग को देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया शह–मात का खेल दरअसल पूरी राजनीति ज्यादा से ज्यादा सीट हथियाने की है। जदयू लोजपा को 30 से ज्यादा सीट देने को तैयार नहीं है। ज्यादा सीट न मिलने की संभावना के बाद चिराग सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ हमलावर हैं। उधर नीतीश ने लोजपा पर दबाव बनाने के लिए जीतनराम लिया।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 चरम पर पहुंची जदयू और लोजपा के बीच तल्खी, बयानबाजी पर चेतावनी

(यूएनएस)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जदयू और लोजपा की तल्खी चरम पर पहुंच गई है। पार्टी ने लोजपा संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष चिराग पासवान को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयानबाजी से बाज आने की नसीहत दी है। जदयू ने यह भी कहा कि बिहार में उसका गठबंधन भाजपा से है, लोजपा से नहीं।

गौरतलब है कि पासवान बीते कुछ महीने से नीतीश पर लगातार हमलावर रहे हैं। कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाते रहे चिराग ने पिछले दिनों कहा था कि राज्य में उनकी पार्टी का गठबंधन जदयू से नहीं भाजपा से है। इसके बाद चिराग ने राजग में जीतनराम मांझी की पार्टी हम को शामिल करने पर सवाल उठाए। इसी बीच दलित हत्या के मामले में पीड़ित परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा पर भी उन्होंने प्रश्न उठाया। जदयू महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि चिराग नीतीश कुमार के खिलाफ लगातार भद्दे बयान दे रहे हैं। उन्हें ऐसे बयानों से बाज आना चाहिए। त्यागी ने कहा कि बिहार में जदयू का गठबंधन भाजपा से ह

हिमालय दिवस 2020 हिमालय कभी भी कर सकता है विकास की कीमत अदा करने से इंकार

(यूएनएस)। देहरादून अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम से कम करना भी जरूरी कोविड काल में आयोजित हिमालय दिवस में इस पर भी मंथन जरूरी कोरोना के कारण भले ही चारों ओर त्राहि मची हुई हो लेकिन यही कोरोना है जिसने पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के बीच के रिश्ते की पड़ताल और गहराई से करने का संकेत भी दिया है। कोरोना संक्रमण के लॉकडाउन दौर में यह भी सामने आया कि हवा, पानी आदि की गुणवत्ता में सुधार हुआ। यह तमाम आर्थिक गतिविधियों पर लगे ब्रेक का परिणाम भी था। अब अनलॉक में फिर आर्थिक गतिविधियां शुरू हुई हैं लेकिन कोविड का एक सबक के साथ। यह सबक है – अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में पर्यावरण को नुकसान न पहुंचने देने की। विशेषज्ञों की नजर में अर्थव्यवस्था ने बढ़ाने में पर्यावरण के नुकसान का आकलन न करने के हिमालय के संदर्भ में गंभीर परिणाम सामने आएंगे। जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय पहले ही दबाव में है। ऐसे में अर्थव्यवस्था को परंपरागत तरीके से बढ़ाने में हिमालय पर यह दबाव बढ़ रहा है। उत्तराखंड में ही हर साल प्रदेश सरकार को मानसून के दौरान सड़कों के टूटने और भूस्खलन आदि के कारण करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह नुकसान प्रदेश के पर्यटन विभाग के कुल बजट से कहीं ज्यादा है। कई गांव महीनों तक सड़क टूटने के कारण अन्य क्षेत्रों से कटे हुए रहते हैं। विकास का यह तरीका एक और रूप में सामने आ रहा है। यह रूप हिमालयी क्षेत्र में नदियों, पर्वतों में अटे पड़े कूड़े के ढेर के रूप में सामने आ रहा है। प्लास्टिक कचरा

बढ़ता ही जा रहा है और नगर निकाय इस कूड़े के ढेर को संभालने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं। ऐसे में हिमालय कभी भी इस विकास की कीमत को अदा करने से इंकार कर सकता है। यह इंकार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के न रुक पाने वाले प्रभाव के रूप मे सामने आ सकते हैं। 2013 की आपदा का सबक जीईपी पर बढ़ाए थे कदम 2013 की केदारनाथ आपदा थी जिसने हिमालयी राज्यों को सकल पर्यावरणीय उत्पाद या जीईपी की ओर कदम बढ़ाने के लिए विवश किया था। इस आपदा के बाद तत्कालीन प्रदेश सरकार ने जीईपी को प्रदेश में लागू करने के लिए कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी की बैठकें भी हुईं और फिर यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया। कुछ समय पहले ही भारतीय वन्य जीव संस्थान में जीईपी को लेकर प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की उपस्थिति में बैठक भी हुई और जीईपी के लिए फिर से कदम बढ़ाए गए। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश सरकार के स्तर से इस पर काम भी जारी है। इसमें इस समय जीईपी को लेकर विभिन्न संस्थाओं से बात की जा रही है। हैस्को के संस्थापक निदेशक अनिल जोशी के मुताबिक कोशिश यह है कि जीईपी या सकल पर्यावरणीय उत्पाद इस तरह से विकसित किया जाए कि उसे व्यवहारिक रूप से लागू किया जा सके। जीडीपी बढ़ाने में पर्यावरण का नुकसान कम करना बहुत जरूरी हिमालयी क्षेत्र में जीडीपी को बढ़ाते हुए पर्यावरण के नुकसान को कम से कम करना बहुत जरूरी है। ऐसा वर्तमान को ही नहीं बल्कि भविष्य को भी ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। हमारे यहां ग्रीन जीडीपी की बात तो खूब होती है लेकिन उसको समझने और उस पर अमल करने की कोशिश कम ही होती है। यह अब सभी स्वीकार कर रहे हैं कि हिमालय बेहद संवेदनशील है। जलवायु परिवर्तन और अन्य कारणों से यहां का पर्यावरण भी अति संवेदनशील है। यह अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि हिमालय का प्रभाव पूरे देश पर पड़ता है। हिमालय पानी का सबसे बड़ा स्रोत है। यह जैव विविधिता का भंडार है। कार्बन सिंक है। इसका नुकसान मतलब सबका नुकसान। जीडीपी को हम पूरी अर्थव्यवस्था का आकलन मान सकते हैं। ऐसे में ग्रीन जीडीपी का मतलब है अर्थव्यवस्था को इस तरह से आगे बढ़ाना कि पर्यावरण का नुकसान कम से कम हो। दूसरे शब्दों में अर्थव्यवस्था में पर्यावरण के नुकसान का आकलन कर उसे घटा दें तो ग्रीन जीडीपी निकल आएगी। इस पर काम होना चाहिए और हिमालय के संदर्भ में तो यह और भी जरूरी है। 2007 में तत्कालीन सरकार ने नेशनल ग्रीन अकाउंटिंग की बात की थी। यह मामला तब से उठा नहीं। इस तरह से देखा जाए तो ग्रीन जीडीपी को जीडीपी का करेक्शन कहा जा सकता है।

उत्तराखंड भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व दर्जाधारी ज्ञान सिंह नेगी का निधन, मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

(यूएनएस)। देहरादून उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री रहे ज्ञान सिंह नेगी (75 वर्ष) का आज तड़के पांच बजे आशुतोषनगर ऋषिकेश में निधन हो गया। वह टिहरी जिले के बेरणी के निवासी थे। आपातकाल के दौरान स्व. नेगी 18 माह जेल में रहे। वह लंबे समय तक विद्या भारती,जनसंघ, आरएसएस से जुड़े रहे। भाजपा में भी प्रदेश महामंत्री, अनुशासन समिति के अध्यक्ष से लेकर कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। आज ऋषिकेश में अंतिम संस्कार होगा। ज्ञान सिंह नेगी के निधन पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि भाजपा उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता एवं हमारी सरकार में

दर्जाधारी राज्यमंत्री ज्ञान सिंह नेगी के निधन का समाचार सुनकर अत्यंत दुःख हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व शोक संतप्त परिवार जनों को धैर्य प्रदान करें।

उत्तराखंड लॉकडाउन में 36 हजार करोड़ कम हो गई प्रदेश की जीडीपी, ग्रामीण क्षेत्र पर अधिक असर

(यूएनएस)। देहरादून एसबीआई की शोध शाखा की हाल की रिपोर्ट में किया गया दावा करीब 12 प्रतिशत कम हो गया अर्थव्यवस्था का आकार ग्रामीण क्षेत्र पर अधिक असर, अनलॉक–1 का दौर भी इसमें शामिल लॉकडाउन के कारण उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था को करीब 36 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। यह नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों के मुकाबले अधिक है। कोविड संक्रमण के कारण प्रदेश में 22 मार्च से लॉकडाउन शुरू हुआ था, यह जून तक जारी रहा। इस दौर में उद्योगों से लेकर अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के ठप होने का नुकसान राज्य को उठाना पड़ा है। अब एसबीआई की शोध शाखा एसबीआई इको की ओर से जारी आंकड़े बता रहे हैं कि इस नुकसान के कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 36 हजार करोड़ रुपये कम हो गया है। शहरी क्षेत्रों में यह प्रभाव 21 प्रतिशत और ग्रामीण

क्षेत्र में करीब 79 प्रतिशत आंका गया है। प्रदेश की जीडीपी करीब ढाई लाख करोड़ मानी जाती है। नियोजन विभाग का अनुमान था कि कोविड काल से पहले प्रदेश की विकास दर भी घटकर करीब 5.1 प्रतिशत रह गई थी। अब यह विकास दर शून्य से नीचे मानी जा रही है। प्रदेश सरकार की बढ़ी चिंता अर्थव्यवस्था के आकार में यह कमी अब प्रदेश सरकार को चिंतित भी कर सकती है। कारण यह भी है कि अर्थव्यवस्था में गिरावट ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। प्रदेश में खेती किसानी या प्रारंभिक क्षेत्र की विकास दर पहले से ही चार प्रतिशत से कम थी। ऐसे में यह भी साफ है कि प्रदेश सरकार के सामने अब प्रवासियों को स्वरोजगार से जोड़ने वाली योजनाओं को बेहतर तरीके से धरातल पर उतारने का अधिक दबाव रहेगा। इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार को अधिक मेहनत भी करनी होगी। वहीं, शहरी क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था का आकार कम होने का मतलब रोजगार को लेकर दबाव जा रहा है।

आज भी कई जगह बारिश के आसार, मसूरी–देहरादून मार्ग सुचारू, चारधाम यात्रा मार्ग पर नहीं कोई बाधा

(यूएनएस)। देहरादून प्रदेश के कई हिस्सों में मंगलवार को भी बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार कुछ इलाकों में तेज बारिश भी हो सकती है।

बाकी अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि अगले हफ्ते कुछ दिन कई इलाकों में भारी बारिश के दौर हो सकते हैं। वहीं आज भी चारधाम यात्रा मार्ग सुचारू है। हालांकि सुबह दो घंटे के लिए बदरीनाथ हाईवे क्षेत्रपाल में बंद हुआ था। मसूरी देहरादून मार्ग सुचारू मसूरी देहरादून मार्ग पर सोमवार को देर शाम को हुए भारी भूस्खलन के बाद आए मलबे और पत्थर को लोक निर्माण विभाग द्वारा जेसीबी के माध्यम से हटाकर यातायात को सुचारू किया गया। परंतु लगातार पहाड़ से गिर रहे पत्थर के कारण लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कत पेश आ रही है। सुरक्षा की दृष्टि से भूस्खलन वाले क्षेत्र के दोनों ओर लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी और पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं जो वाहनों को एक एक कर के भूस्खलन वाले क्षेत्र से निकाल रहे हैं।

मौसम साफ हुआ

तो बढ़ने लगे तीर्थयात्री बारिश के चलते बदरीनाथ हाईवे बंद होने से यहां आने वाले यात्रियों की संख्या नाम मात्र की रह गई थी। पिछले कुछ दिनों से मौसम साफ होने का असर बदरीनाथ यात्रा पर भी नजर आ रहा है। मौसम साफ होने पर सोमवार को बदरीनाथ में 272 यात्री पहुंचे, जबकि केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या 106 रही।

देवस्थानम बोर्ड के मीडिया प्रभारी डा. हरीश चंद्र गौड़ के अनुसार बदरीनाथ में अब तक 12409 और केदारनाथ में 6929 यात्री पहुंच चुके हैं। आगे भी मौसम साफ रहने पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है

पर्यटन प्रोत्साहन कूपन योजना लागू करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

देहरादून कोविड महामारी के कारण प्रभावित पर्यटन उद्योग को पटरी पर लाने के लिए सरकार ने यूरोपीय देश सिसिली, जापान, और साइप्रस की तर्ज पर प्रदेश में पर्यटन प्रोत्साहन कूपन (टीआईसी) योजना लागू की है। इस योजना को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य है। सरकार की ओर से पर्यटकों को तीन दिन ठहरने में दी जाने वाली छूट राशि का भुगतान होटलों और होम स्टे को 15 दिन के भीतर किया जाएगा। उत्तराखंड लॉकडाउन में 36 हजार करोड़ कम हो गई प्रदेश की जीडीपी, ग्रामीण क्षेत्र पर अधिक असर प्रदेश सरकार ने पर्यटन से जुड़ी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए और राज्य में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इस योजना की शुरूआत की है। इसका लाभ लेने के लिए उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों को देहरादून स्मार्ट सिटी पोर्टल पर टूरिस्ट कैटेगरी में अपना पंजीकरण कराना होगा। तीन दिनों तक होटल व होम स्टे में रहने पर पर्यटकों को अधिकतम 1000 रुपये या 25 प्रतिशत प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन कूपन दिए जाएंगे। होटल व होम स्टे के रूम बिल में छूट इस कूपन पर पर्यटकों को होटल व होम स्टे के रूम बिल में छूट का लाभ मिलेगा।

आदिदेव होम स्टे के संचालक धैर्य अरोड़ा ने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद द्वारा शुरू की गई टीआईसी योजना पर्यटकों के साथ–साथ होटल और होम स्टे संचालकों के दृष्टिकोण से भी काफी लाभदायक साबित होगी। यह प्रदेश सरकार की स्वागत योग्य पहल है और राज्य में पर्यटन संबंधी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद करेगी। पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि पर्यटक प्रोत्साहन कूपन योजना से होटल और होम स्टे संचालकों का कारोबार बढ़ेगा।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यह योजना एक माह के लिए लागू होगी। इस पर पर्यटकों को दी जाने वाली छूट के रूप में 2.70 करोड़ का व्यय भार होने का अनुमान है। योजना सफल रही तो इसे दो माह के लिए और बढ़ाया जाएगा

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

हरदोई तिहरे हत्याकांड के आरोपी की बाइक फिसली, मुठभेड़ में लगी गोली, पुलिस को देख भागा था

हरदोई जिले में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस से बचकर भाग रहे तिहरे हत्याकांड के आरोपी की बाइक नहर पटरी पर पलट गई। हत्यारोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस की गोली पैर में लगने से हत्यारोपी घायल हो गया उसका साथी भाग गया। घटना की सूचना पर एसपी और तीन थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टड़ियावां थाना क्षेत्र के ग्राम कुअमऊ स्थित आश्रम में 31 अगस्त की रात बाबा हीरादास (70), उनके पुत्र नेतराम (40) और कथित शिष्या मीरादास (65) की हत्या कर दी गई थी। दो सितंबर की रात एसपी अमित कुमार ने घटना का खुलासा कर एक अन्य

शिष्य हिस्ट्रीशीटर रक्षपाल पुत्र सुरेंद्र निवासी रौतापुर थाना मझिला, उसके साले संजय पुत्र रामआसरे निवासी ग्राम नीर कोतवाली देहात और राजीव पुत्र चंद्र किशन निवासी बंदरहा कोतवाली पिहानी को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी थी। रक्षपाल का साथी शफीक (24) पुत्र बशीर निवासी डोलिया थाना सुरसा पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा था। एसपी अमित कुमार के मुताबिक सोमवार रात लगभग 8 बजे हरदोई सीतापुर मार्ग पर इटौली पुल के निकट टड़ियावां पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान शफीक एक साथी के साथ बाइक से निकला। पुलिस टीम ने उसे रोका लेकिन वह भाग निकला और आगे जाकर सिकरोरी नहर पुल से सोहासा जाने वाली पटरी पर उसकी बाइक स्लिप हो गई। बाइक गिरते ही शफीक भी गिर गया और उसने पीछे आ रही पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में शफीक के बाएं घुटने के नीचे गोली लग गई। मुठभेड़ की सूचना पर एसपी अमित कुमार भी मौके पर पहुंच गए। बेनीगंज, देहात कोतवाली और हरियावां पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। एसपी ने बताया कि शफीक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके से उसकी बाइक, एक तमंचा बरामद हुआ है।

दर्दनाक हादसाः बछड़े को बचाने के लिए पांच लोग कुएं में कूदे, पांचों की मौत

गोंडा नगर के मोहल्ला महाराजगंज में एक पुराने कुएं में एक बछड़ा गिर गया। इसे बचाने के लिए कुएं में कूदे एक युवक

की डूबने से मौत हो गई। युवक को बचाने के लिए एक–एक कर चार और लोग कूद गए। जिसमें पांचों लोगों की डूबने से मौत हो गई। हालांकि लोगों ने बछड़े को जिंदा निकाल लिया। कोतवाली नगर के महाराजगंज मोहल्ले में मंगलवार दोपहर को यह खबर मिलते ही फायर बिग्रेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। आसपास के लोग भी भारी संख्या में जुट गए। जिला प्रशासन के आलाअधिकारी मौके पर पहुंच गए। एक सिपाही के भी डूबने की आशंका आसपास के लोगों के मुताबिक मंगलवार एक बछड़ा कुएं में गिर गया था। जिसे निकालने के लिए एक–एक कर पांचों युवक कुएं में उतरे थे, लेकिन वे डूबने लगे तो शोर मचाया। तब लोगों को जानकारी हुई। माना जा रहा है कि कुएं में जहरीली गैस होने के कारण अनहोनी की आशंका जताई जा रही है। फायर बिग्रेड और नगर पालिका की टीमों को बचाने के लिए लगाया गया। आसपास के लोगों के मुताबिक डूबने वालों में विष्णु (28) पुत्र रमेश्वर, वैभव (25) पुत्र बहादुर, छोटू (32) पुत्र रामशंकर, रिंकू (42) पुत्र रामशंकर व एक स्कूल का माली मोनू है। इसमें एक सिपाही डूबने की आशंका जताई जा रही है।

बिजनौर में कोविड सेंटर से बंदी फरार, अधिकारियों में मचा हड़कंप, दरोगा समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद में स्वाहेड़ी के

कोविड सेंटर से मंगलवार को एक बंदी फरार हो गया। यह बंदी कोरोना संक्रमित था। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। एसपी डॉ. धर्मवीर सिंह ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर एक दरोगा व दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। वहीं पुलिस ने तीन घंटे बाद फरार बंदी को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि नूरपुर के मोहल्ला इस्लाम नगर निवासी वाजिद को तीन सितंबर को आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर चालान किया गया था। उसे जिला कारागार में दाखिल किया गया। वहां कोरोना संक्रमित पाए जाने पर वाजिद को कोविड सेंटर स्वाहेड़ी में भर्ती कराया गया। मंगलवार सुबह वाजिद वहां से फरार हो गया।मंगलवार को दिन में सुबह 11 बजे हुई गणना के दौरान वाजिद के फरार होने का पता चला। स्वाहेड़ी के सेंटर में 52 मरीज भर्ती हैं। इनमें तीन जेल के बंदी हैं। इन्हीं तीन में से एक फरार हुआ है।

बाघ ने गाय को मार डाला

(लखीमपुर खीरी)। गन्ने का सीजन करीब आते ही मोहम्मदी रेंज क्षेत्र में बाघ के हमले बढ़ने लगे हैं। रविवार देर शाम सहजनिया की आबादी के समीप आ पहुंचे बाघ ने देवनारायण के खेत में घास चर रही गाय को मार डाला, जिसकी पुष्टि वनकर्मियों ने भी की है। बाघ के बढ़ते हमलों से इलाके में दहशत है।

रविवार की शाम सहजनिया बीट जंगल से 500 मीटर दूर गांव की आबादी के समीप पहुंचा बाघ देवनारायण के खेत में घास चर रही गाय गन्ने के खेत में खींच ले गया और मार डाला। लोग जब खेतों

की ओर गए तो खेत में अधखाया शव और बाघ के पगचिह्न बने देख उनके होश उड़ गए, सूचना महेशपुर रेंज के वनकर्मियों को दी। गांव वालों की सूचना पर पहुंचे फारेस्टर जगदीश वर्मा, सत्यम सिंह, नरेंद्र वर्मा, अफजाल अहमद आदि वनकर्मियों ने बाघ के हमले, गाय का अधखाया शव, पगचिह्न मिलने की पुष्टिकर बताया कि सहजनिया क्षेत्र में बाघ का इस सीजन में यह पहला हमला है। बाघ खेत में घुसकर जंगल की ओर चला गया है, फिर भी गांव वालों को शव के पास और खेतों में अकेले न जाने, सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। इससे पहले शनिवार रात बाघ मौठीखेड़ा निवासी सरदार बलविंदर सिंह के झाले में घुसकर खूंटे से बंधे पशुओं पर हमला करने की कोशिश की थी। दो सप्ताह पूर्व बाघ ने सुंदरपुर में रमेश के पालतू बैल को मार डाला था, एक सप्ताह पूर्व बाघ ने हैदराबाद थाना क्षेत्र के अयोध्यापुर गांव में एक बकरी को मार डाला था। इस तरह बाघ के बढ़ते हमलों से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

चलती बाइक में लगी आग, पीआरवी कर्मियों ने बुझाई

बरेली मैलानी। भीरा रोड पर चलती हुई बाइक में अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि मौके पर तुरंत पहुंचे पीआरवी कर्मियों ने बाइक की आग बुझा दी, जिससे हादसा होने से बच गया। मोहल्ला

ईदगाह में वन निगम डिपो के पास रहने वाला सलमान शाम लगभग पौने छह बजे अपनी बाइक से सामान लेने बाजार जा रहा था कि भीरा रोड पर मैरिज हाल के पास पहुंचते ही बाइक में आग लग गई। सलमान ने बताया कि पहले बाइक में स्पार्किंग हुई फिर आग लग गई। देखते ही देखते मौके पर तमाम भीड़ जमा हो गई। आग लगते ही सलमान बाइक छोड़कर दूर हट गया। थोड़ी दूर पर स्थित पीआरवी2866 के हेड कांस्टेबिल प्रेमनाथ, कांस्टेबल कार्तिक कुमार और चालक श्रीपाल वर्मा फौरन मौके पर पहुंचे। कांस्टेबिल कार्तिक कुमार ने हिम्मत जुटाकर अग्निशमन यंत्र लेकर बाइक की आग बुझा दी। गनीमत यह रही कि पेट्रोल टंकी में आग नहीं, इससे बड़ा हादसा होने से बच गया। आग से बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह जल गया।

गुलालपुर में ग्रामीणों की शिकायत पर अधिकारियों ने की जाँच

बीकेटी– विकास खण्ड बक्शी का तालाब क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुलालपुर में ग्रामीणों के द्वारा पूर्व प्रधान के द्वारा सिर्फ कागजों में ही विकास कार्य दिखाकर सरकारी धन का गबन करने का

आरोप लगाया गया था जिसको संज्ञान में लेकर समाज कल्याण अधिकारी अमरनाथ यति व सहायक विकास अधिकारी राजेश कुमार त्रिवेदी ने गाँव मे ही बलिस्टर सिंह के घर से रामचन्द्र के घर तक नाली निर्माण व प्रकाश के घर से रामऔतार के घर तक नाली व खड़ंजा का निर्माण सहित कई कार्य मौके पर नही पाये गए और सरकारी खाते से पूर्व प्रधान भगवती प्रसाद व पंचायत सचिव अशोक यादव की मिलीभगत से रुपया भी निकाल लिया गया, वही जाँच करने आये अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा की गयी 14 बिंदुओं की शिकायत पर जाँच की गई है शाशन को रिपोर्ट भेजकर दोषी लोगों से धन की रिकवरी व उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी ।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष आशीष मैसी का निधन

शाहजहांपुर। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आशीष मैसी का सोमवार रात करीब 12 बजे निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे। वह भाजपा से भी लंबे समय से जुड़े हुए थे। बताते हैं कि शनिवार को लखनऊ से कुछ लोग मिलने आए थे। उसी के बाद उन्हें बुखार

हो गया था। लोधीपुर में हथौड़ा रोड स्थित एनटीआई परिसर में बने निवास पर ही उनका इलाज चल रहा था। सोमवार शाम को तबीयत बिगड़ने पर घर वाले पीजीआई ले जाने की तैयारी में थे। रात को लखनऊ रवाना होने से पहले ही उनका निधन हो गया। बड़े बेटे अंशुमान मैसी ने बताया कि उनके पिता डॉ. मैसी गोवा और असम के भाजपा प्रभारी रहे थे। वह राष्ट्रीय ईसाई संघ के संयोजक भी थे।

यूपी कैबिनेट मंत्री मोती सिंह को युवक ने खुलेआम दी हत्या की धमकी, वीडियो वायरल

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में भरी सभा के दौरान क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री को हत्या की धमकी देने का मामला सामने आया है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह को सपा नेता व हिस्ट्रीशीटर का कथित भांजा एक वीडियो में खुलेआम हत्या की धमकी देता नजर आ रहा है। आसपुर देवसरा इलाके के हिस्ट्रीशीटर सभापति यादव के कथित भांजे चंदन यादव नाम के युवक का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में वह खुलेआम अपना नाम और पहचान बताकर धमकी दे रहा है। वह क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र प्रताप उर्फ मोती सिंह को दौड़ा–दौड़ाकर हत्या कर देने की बात कर रहा है। सोशल मीडिया पर करीब 50 लोगों की भीड़ का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें एक व्यक्ति जो खुद को सुल्तानपुर का रहने अशोभनीय शब्दों का प्रयोग कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेशन्स, आशा काम्प्लेक्स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित। **RNI No. UPHIN/**2015/6090 सम्पादक– विवेक श्रीवास्तव, फोन नं. **8004949556,7570901365 Email. info@theachievertimes.com**

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।